THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) and (b). President Carter's was a goodwill visit and it achieved the objective of strengthening friendly relations and developing further rapport between the leaders of the two countries. It helped us share our views on major world issues and achieve a better understanding of each other's position on bilateral as well as international issues.

During the visit, President Carter informed us that he was recommending the release of 7.6 tonnes of enriched uranium for Tarapore, an application for which is pending with US authorities. President Carter and Prime Minister Desai also expressed their personal interest in intensifying cooperation under the Indo-US Joint Commission in diverse fields relating to trade, economic development, science, technological cooperation and freer exchanges in cultural and educational fields.

Conflict between Vietnam & Cambodia

474. SHRI G. M. BANATWALLA:

SHRI MUKHTIAR SINGH. MALIK:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any efforts have been made by the Government of India to solve the problems which had arisen between the two India's friendly countries Vietnam and Cambodia;

(b) whether Minister of State for External Affairs while visiting Vietnam have expressed concern over this problem; and

(c) if so, details of the efforts made to bring about significant improvement in the political climate in that area?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) No, Sir.

(b) and (c). On various occasions, we have expressed our concern over the continuance of the conflict and expressed the hope that the differences between Kampuchea and Vietnam, both non-aligned and developing countries, would be resolved peacefully through bilateral negotiations.

Expansion of Diego Garcia

475. SHRI G. M. BANATWALLA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the United States of America have taken a decision to expand their air and naval bases in Diego Garcia and other bases in the Indian Ocean; and

(b) if so, the Government of India's reaction thereto?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) Government have no information to the effect that USA have taken any recent decision to expand their bases in the Indian Ocean. Negotiations are at present underway between the US and the Soviet Union on stabilisation of their forces in the Indian Ocean.

(b) Government have consistently opposed foreign military presence in the Indian Ocean. Government's views on the subject are well known.

राज्यों द्वारा बीडी कर्मचारी कल्याण उपकर अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि का प्रयोग

476. डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय :

श्री सुभाष आहूजा :

क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बीड़ी कर्मचारी कल्याण उपकर अधिनियम के अन्तर्गत राज्यवार कितनी-कितनी धनराशि प्राप्त हुई ;

(ख) क्या बीड़ी उद्योग राज्य के क्षेत्राधिकार में आता है;

(ग) यदि हां, तो उक्त उपकर के अन्तर्गत प्राप्त धन राशि के उपयोग तथा अधिनियम को कार्यक्रम देने के बारे में राज्य सरकारों की मांग के प्रति सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) क्या राज्य सरकारों ने इस बारे में केन्द्रीय सरकार को लिखा है और यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गई ?

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नारंग साय) : (क) विवरण सदन की मेज पर रख दिया गया है। [**ग्रन्थालय में रखा गया। देखिए संख्या** LT 1583/78]

(ख) बीड़ी तथा सिगार कर्मकार (नियोजन की शर्तें) अधिनियम, 1966 को लागू करने का काम राज्य सरकारों के क्षेत्राधिकार में है, जबकि बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 के अधीन इन श्रमिकों संबंधी कल्याण-योजनाओं की व्यवस्था केन्द्रीय सरकार द्वारा की जाती है।

(ग) और (घ). केवल मध्य प्रदेश सरकार ने सुझाव दिया है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा बीड़ी श्रमिकों के कल्याण के लिए एकत्र किया गया उपकर राज्य सरकार को हस्तान्तरित कर दिया जाना चाहिए, ताकि वह कल्याण कार्यों की व्यवस्था कर सके। इस सुझाव पर विचार किया जा रहा है ?

वर्ष 1977 के दौरान निर्यात सहित इस्पात का उत्पादन और खपत

477. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय** : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय इस्पात का उत्पादन कितना होता है;

(ख) देश में उसकी वार्षिक खपत कितनी है; और

(ग) कलैण्डर वर्ष 1977 के दौरान किस-किस देश को कितना-कितना इस्पात निर्यात किया गया ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : (क) वर्ष 1975–76 में देश में विक्रेय इस्पात का उत्पादन 63.76 लाख टन था इसमें क्रमिक रूप से वृद्धि हुई है और वर्ष 1976–77 में उत्पादन 78.57 लाख टन हो गया है। चालू वित्त वर्ष के दौरान लगभग 81.45 लाख टन उत्पादन होने की सम्भावना है।

(ख) चालू वित्त वर्ष के दौरान देश में इस्पात की खपत 69.35 लाख टन होने की सम्भावना है।

(ग) कलैण्डर वर्ष 1977 के दौरान किया गया देशवार निर्यात संलग्न विवरण में दिया गया है।

विवरण

वर्ष 1977 में इस्पात के निर्यात का देशवार ब्यौरा

क्रम सं०	देश	मात्रा (टन)
1.	आबू धाबी	39800
2.	अदन	1100
3.	अफगानिस्तान	1500
4.	बंगलादेश	27600
5.	बर्मा	10500
6.	बहरेन	1000
7.	बल्गारिया	12400
8.	चेकोस्लोवाकिया	30000
9.	दुबई	54600